अपने ही घरों में कैद अरेरा कॉलोनी के रहवासी

बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों से रहवासी परेशान... शोर, पार्किंग और यातायात की बढ़ रही है समस्या

प्रांजुल पाण्डेय

भोपाल, 12 अगस्त. किसी भी शहर में घर सिर्फ चार दीवारों का नाम नहीं होता.यह वह जगह होती है, जहां व्यक्ति दिनभर की थकान के बाद सुकून तलाशता है और परिवार खुद को सुरक्षित महसूस करता है. लेकिन राजधानी की पॉश अरेरा कॉलोनी में कई रहवासियों के लिए यही सुकून धीरे-धीरे कम होता जा रहा है. आवासीय क्षेत्र में बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों, अस्पताल से जुड़ी आवाजाही, भारी वाहनों और पार्किंग की समस्या के बीच रहवासी अपने घरों में सामान्य जीवन प्रभावित होने की बात कह रहे हैं.

नवभारत रिपोर्टर ने जब अरेरा कॉलोनी की पड़ताल की तो ई -1 से ई-8 ब्लॉक तक रहवासियों की अलग-अलग परेशानियां सामने आईं. खासतौर पर ई-3 और ई-4 ब्लॉक में व्यावसायिक गतिविधियां अधिक होने की बात स्थानीय लोगों ने बताई.रहवासियों का कहना है कि दिनभर वाहनों की आवाजाही और व्यावसायिक गतिविधियां दिखाई देती हैं. इससे शोर, पार्किंग और यातायात की समस्या बढ़ रही है.

कोरोना की वह भयावह याद आज भी नहीं भूले रहवासी

ई-3 ब्लॉक में नेशनल हॉस्पिटल के

नवभारत मुहिम

कब लागू होगा नया मास्टर प्लान

आसपास रहने वाले लोगों के लिए कोरोना का दौर आज भी डरावनी याद बना हुआ है. स्थानीय रहवासियों के मुताबिक महामारी के दौरान अस्पताल के आसपास एंबुलेंस और शव वाहन की आवाजाही बनी रहती थी. कई बार घरों के सामने से शवों को ले जाने और लाने का सिलसिला चलता था. उस दौर में संक्रमण के डर ने लोगों की दिनचर्या और मानसिक स्थिति दोनों को प्रभावित किया.

रहवासियों का कहना है कि आज भी अस्पताल की एंबुलेंस कई बार उनके घरों के सामने खड़ी रहती हैं. इससे सड़क पर आवागमन प्रभावित होता है और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी होती है. महिलाओं और बुजुर्गों के लिए देर रात की आवाजाही विशेष चिंता का कारण बनती है। स्थानीय लोगों के अनुसार अस्पताल का स्टाफ देर रात तक कॉलोनी में आता-जाता रहता है, जिससे उन्हें असहजता महसूस होती है.

रहवासी बोले- सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा

आसपास भीड़भाड़ के कारण काफी परेशानी रहती है. घर से निकलना मुश्किल हो गया है. कई बार डर लगता है कि कहीं बच्चे तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में न आ जाएं. **-रमेश उपाध्याय**

हमें अपने वाहन दूसरी जगह खड़े करने पड़ते हैं। समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसका समाधान नहीं निकला तो हम सभी काफी परेशान हो जाएंगे. **- अभिषेक सिंह**

लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता नहीं दी जा रही है. अरेरा कॉलोनी में करीब 100 लोगों को नोटिस दिए गए थे, जिनमें से तीन व्यावसायिक इमारतों को सील किया गया था .हालांकि, दो लोगों ने हाई कोर्ट से स्टे ले लिया है. **- लवनेश भाटी**

देर रात कुछ असामाजिक तत्व काफी देर तक घरों के बाहर खड़े रहते हैं. पूछने पर वे किसी काम से दुकान आने की बात कहते हैं. इस तरह संदिग्ध लोगों का देर तक घरों के आसपास मौजूद रहना सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा है. **- ऋषभ सेन**- लवनेश भाटी

भारी वाहन और जाम ने बढ़ाई परेशानी

कॉलोनी के अंदर बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों के साथ भारी वाहनों की आवाजाही भी रहवासियों के लिए परेशानी बन रही है. कई बार सड़क के दोनों ओर वाहन खड़े होने से रास्ता संकरा हो जाता है और जाम की स्थिति बनती है. स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आने वाले वाहनों का दबाव आवासीय सड़कों की क्षमता से अधिक हो गया है.

पार्क में अस्पताल की गतिविधियों का असर

रहवासियों ने कॉलोनी के पार्क को लेकर भी चिंता जताई. उनका कहना है कि अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजन कई बार पार्क में बैठते हैं. इससे स्थानीय बच्चों, बुजुर्गों और परिवारों के लिए बनाए गए सार्वजनिक स्थान का सामान्य इस्तेमाल प्रभावित होता है. रहवासियों का कहना है कि आवासीय क्षेत्र की सुविधाएं मुख्य रूप से वहां रहने वाले परिवारों की जरूरतों के अनुसार होनी चाहिए.

नोटिस के बाद भी खुलती हैं दुकानें

कुछ रहवासियों ने बताया कि नगर निगम की ओर से नोटिस दिए जाने के बावजूद कुछ स्थानों पर दुकानें और व्यावसायिक गतिविधियां जारी हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई केवल नोटिस तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि नियमों के अनुरूप वास्तविक स्थिति की जांच भी होनी चाहिए. मास्टर प्लान को लेकर चल रही बहस के बीच अरेरा कॉलोनी की तस्वीर शहरी नियोजन की उस चुनौती को सामने लाती है, जहां विकास और आवासीय जीवन के बीच संतुलन जरूरी है. रहवासी चाहते हैं कि उनके इलाके में विकास हो, लेकिन उनके घर की शांति, सुरक्षा, पार्क और सड़कें भी सुरक्षित रहें. उनके लिए मुद्दा केवल कारोबार का नहीं, बल्कि अपने घर को फिर से सुकून की जगह बनाए रखने का है.

आवेदनों का करें निराकरण

नवभारत न्यूज

भोपाल, 12 अगस्त, संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि सभी संभागीय अधिकारी, मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण करें.

इसके लिए आयोजित शिविर के पूर्व दिवस में निर्धारित क्षेत्र में लंबित सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी के प्रकरण की तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि जन विश्वास अभियान में अधिक से अधिक जन समस्याओं का निराकरण कर विभाग प्रभावी क्रियान्वयन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें. संभागायुक्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान

-2026 में सरकार संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं का समाधान उन्हीं के क्षेत्र में पहुंचकर कर रही है, ताकि नागरिकों को आपने कार्यों के लिए अलग - अलग कार्यालय नहीं जाना पड़े. शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में बुधवार को समय - सीमा बैठक लेकर अधिकारियों को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए.

मोती मस्जिद चौराहे से हटे बैरिकेड

सावन तक रहेगी अस्थायी व्यवस्था

चार पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक

नवभारत न्यूज

भोपाल, 12 अगस्त. मोती मस्जिद चौराहे पर बुधवार को यातायात पुलिस ने कई महीनों से लगाए गए बैरिकेड्स को दोपहिया वाहनों और पैदल राहगीरों के लिए अस्थायी रूप से हटा दिया.

हालांकि कार और अन्य चार पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक अभी जारी रहेगी. यातायात पुलिस के अनुसार यह व्यवस्था

सावन तक लागू रहेगी. इसके बाद स्थायी निर्णय लिया जाएगा.

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात बसंत कुमार कौल ने बताया कि फिलहाल दोपहिया वाहनों को आवागमन की सुविधा देने के लिए बैरिकेड हटाए गए हैं.

बतादें, बैरिकेडिंग के विरोध में 7 अगस्त को व्यापारियों ने प्रदर्शन किया था. दोपहर तक बाजार बंद रखा था. इसके अगले दिन सांसद आलोक शर्मा ने पुलिस आयुक्त संजय कुमार के साथ बैठक कर समस्या पर चर्चा की थी. इसके बाद यातायात व्यवस्था में अस्थायी राहत देने का फैसला लिया गया.

स्थायी व्यवस्था का निर्णय मैनिट के विशेषज्ञों की रिपोर्ट मिलने के बाद लिया जाएगा. रिपोर्ट के आधार पर चौराहे पर यातायात व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे. बैरिकेड आंशिक रूप से हटाए जाने के बावजूद व्यापारियों में नाराजगी बनी हुई है.

शहर में 4 दिन में 11 इंच बारिश दर्ज, अब तक हुई 33 इंच बारिश

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 12 अगस्त. चार दिन से लगातार बारिश हो रही है और इस दौरान कुल लगभग11 इंच वर्षा दर्ज की गई . इसके पहले 10 अगस्त को लगभग 7 इंच वर्षा हुई थी. बुधवार को करीब 2.5 इंच बारिश रिकार्ड की गई . इसके अलावा 9 अगस्त को लगभग आधा इंच और 11 को 1 इंच बारिश दर्ज की गई .इस सीजन में अब तक औसतन कुल 33 इंच बारिंश हो चुकी है , जो सामान्य से 7 इंच ज्यादा है.

शहर प्रमुख जलस्त्रोतों में पानी की आवक तेजी से बढ़ रही है.बुधवार शाम के आंकड़ों के अनुसार बड़े तालाब का जलस्तर 1664.40 फीट, केरवा डैम का 1662.40 फीट और कोलार डैम का जलस्तर 1504.10 फीट पहुंच गया है. बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल 1666.80 फीट है और वर्तमान जलस्तर एफटीएल से महज 2.40 फीट नीचे है. बारिश का दौर जारी रहने और कैचमेंट क्षेत्रों से पानी की आवक बनी रहने पर जलस्तर के जल्द ही एफटीएल तक पहुंचने की संभावना है. केरवा और कलियासोत डैम में भी लगातार पानी बढ़ रहा है। जलस्त्रोतों में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए संबंधित विभागों ने निगरानी बढ़ा दी है. लगातार बारिश से शहर के कुछ हिस्सों में जलभराव की स्थिति बनी है, लेकिन जलस्त्रोतों में बढ़ता पानी राजधानी के लिए राहत की खबर है. लोगों का आरोप है कि नगर निगम को कई बार शिकायत करने के बावजूद जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया. वहीं विधायक भगवानदास सबनानी ने अतिवृटि से प्रभावित क्षेत्रों का बुधवार को दौरा किया और पीड़ितों से चर्चा की.

एयरपोर्ट व जेके रोड पर सड़कें हुई जलमग्न

राजधानी में चार दिन से हो रही बारिश से जहां निचले इलाकों में बारिश से जलभराव की स्थिति बनी वहीं मुख्य मार्गो पर भी जलभराव देखने को मिला. बारिश के दौरान बाल गंगा बस्ती, बंसल अस्पताल, एयरपोर्ट रोड, जेके रोड, राजभवन सहित अन्य इलाकों में भी जलभराव देखा गया. जिससे दो पहिया और चार पहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. बारिश का असर बंसल अस्पताल के पास की सड़क पर भी दिखा, जहां करीब 2 से ढाई फीट तक पानी जमा रहा. वहीं जानकी अपार्टमेंट के करीब 227 फ्लैट जलभराव से प्रभावित हुए. वहीं निचली बस्तियों में भी घरों पानी भरने की सूचना मिली. ग्राउंड पर पहुंचे तो प्रभावित रहवासियों ने बताया कि तेज बारिश के दौरान हर बार इसी तरह के हालात बनते हैं. ऐसे में लोगों की चिंता है कि दोबारा तेज बारिश होने पर निचले इलाकों में हालात और खराब हो सकते हैं.

पटवारी समेत 7 लोगों से ठगे 29 .53 लाख

- बीमा पॉलिसी, लोन दिलाने के नाम पर उड़ाए पैसे
- मोबाइल हैक कर बैंक खाते से निकाली राशि

नवभारत न्यूज

भोपाल, 12 अगस्त. राजधानी में साइबर अपराधियों ने अलग-अलग तरीकों से सात लोगों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की ठगी की. बीमा पॉलिसी सरेंडर कराने, लोन दिलाने, ऑनलाइन इंटर्नशिप, बिजली बिल अपडेट और मोबाइल हैक कर बैंक खाते से रकम निकालने जैसे मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

रातीबड़ थाना पुलिस के अनुसार, सीहोर में पदस्थ पटवारी राजेश राठौर से मैक्स लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी सरेंडर कराने के नाम पर 23 लाख 9 हजार 484 रुपये की ठगी की गई. एनओसी और बैंक प्रक्रिया के नाम पर अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर कराई गई. विश्वास दिलाने के लिए फर्जी चेक भी भेजा गया. बाद में आरोपियों ने मोबाइल बंद कर लिया. वहीं स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र में शिवनारायण साहू से मदद करने के बहाने संपर्क कर करीब 97 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की गई. आरोपी ने फोन कर उन्हें झांसे में लिया और किश्तों में रकम ट्रांसफर करा ली.

एपीके फाइल भेजकर हैक किया मोबाइल

हबीबगंज थाना क्षेत्र में तीन साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं. अरेरा कॉलोनी निवासी अनिमेष जैन के चाचा को लोन दिलाने का झांसा देकर फाइल चार्ज और जीएसटी के नाम पर 50 हजार रुपये ठगे गए. वहीं सुशील वर्मा के मोबाइल पर बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक किया गया और खाते से 1 लाख 31 हजार 740 रुपये निकाल लिए गए. गुलाब यादव के साथ भी बिजली सेवा अपडेट कराने के बहाने 42 हजार रुपये की धोखाधड़ी हुई.

करीब एक घंटे तक लगा जाम

भोपाल. शहर में बारिश के दौरान बुधवार देर शाम को पॉलीटेक्निक चौराहे पर करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही. वाहन चालक इस दौरान परेशान होते नजर आए.

2,283 दूध एवं दुग्ध उत्पादों के लिए नमूने

भोपाल. जिला खाद्य सुरक्षा विभाग ने 20 जुलाई से 12 अगस्त के बीच प्रदेश में 2,283 दूध एवं दुग्ध उत्पादों के नमूने लिए गए. कार्रवाई के दौरान 48,396 किलो उत्पाद जब्त किए गए, जिनकी कीमत करीब 2.91 करोड़ रुपए बताई गई है.

नव भारत
की प्रति बुक करने के लिए
संपर्क करें
आलोक श्रीवास्तव
मो. नं. 9828161600
भूपेंद्र पटवा
मो. नं. 7828549007

बैंक कर्मचारियों का प्रदर्शन

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 12 अगस्त. यूएफबीयू की अपील पर बुधवार को भोपाल में बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

प्रेस कॉम्पलेक्स स्थित पंजाब नेशनल बैंक परिसर में आयोजित इस प्रदर्शन में सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न बैंकों से जुड़े संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे. वक्ता अनिल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह बैंक कर्मियों की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है. यह केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि कार्य-जीवन संतुलन, स्वास्थ्य और बैंकिंग सेवा की गुणवत्ता से जुड़ा मूलभूत प्रश्न है.

शिकायत समाजसेवी अग्निहोत्री ने ईओडब्ल्यू को सौंपा ज्ञापन, संपत्ति की बिक्री की जांच कराने की मांग

पाकिस्तानी होने का तथ्य छिपाकर बेगम ने बेची संपत्ति

नवभारत न्यूज

भोपाल, 12 अगस्त.भोपाल रियासत के तत्कालीन नवाब हमीदुल्ला खां की पाकिस्तान निवासी दूसरी पत्नी आफताब जहां बेगम द्वारा भोपाल में बेची गई संपत्तियों की जांच के लिए आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) को समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने ज्ञापन सौंपा.

ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री, कस्टोडियन विभाग, प्रमुख सचिव राजस्व मप्र,कलेक्टर भोपाल, ए डीएम भोपालएवं सचिव भोपाल जिला शत्रु संपत्ति जांच कमेटी को भेजी गई.

ज्ञापन में कहा गया है कि आफताब जहां बेगम ने पाकिस्तान निवासी तथ्य की जानकारी सामने नहीं रखकर भोपाल के कीमती क्षेत्र बेहटा की बेशकीमती करोड़ों रुपए की 30 एकड़ 55 डेसिमल भूमि मात्र 30 लाख 55 हजार रुपए में बेच दी. इस कीमती भूमि के लिए प्रारंभिक राशि मात्र 1 लाख 55 हजार रुपए चेक के माध्यम से लिये गए शेष 29 लाख रुपए की राशि 7 लाख 25 हजार रुपए प्रत्येक 3 माह में 4 किस्तों में लेना स्वीकार किया गया. यह एग्रीमेंट 31मई 1994 को हुआ जब शत्रु संपत्ति एक्ट लागू था.

ज्ञापन में बताया कि वर्ष 1959 के खसरे के अनुसार पाकिस्तान निवासी आफताब जहां बेगम की भोपाल के कीमती क्षेत्र बेहटा में 655 एकड़ एवं भोपाल के कीमती क्षेत्र बोरबन में 102 एकड़ भूमि थी. चूंकि आफताब जहां बेगम पाकिस्तान निवासी थीं, इसलिए यह करोड़ों रुपए की सैकड़ों एकड़ भूमि शत्रु संपत्ति घोषित होकर सरकारी संरक्षण में होनी थी. इस करोड़ों रुपए की सैकड़ों एकड़ भूमि की राशि आफताब जहां बेगम एवं अन्य किसके खाते में जमा हुई, इसकी जांच की जाए. इन भूमियों की खरीदी -बेची में क्या ब्लैकमनी का उपयोग हुआ है, इसकी भी जांच की जाए. यह भी जांच की जाए कि क्या इन भूमियों की खरीदी-बेची में सरकार की भारी 'स्टॉम्प ड्यूटी' का नुकसान हुआ. क्या इन भूमियों की खरीदी बेची के समय आफताब जहां बेगम भारत में थीं, इनके पासपोर्ट वीजा की जांच की जाए.शत्रु संपत्ति की जांच की परिधि में आने वाली इन भूमियों पर नगर निगम एवं राजस्व विभाग ने बिल्डिंग परमिशन कैसे जारी कर दी.

ज्ञापन में बताया कि भोपाल न्यायालय के पूर्व में चले प्रकरणों में आफताब जहां बेगम का पता पाकिस्तान दर्शाया गया है. न्यायालय के वर्ष 2000 के पत्रक के बिंदु क्रमांक 6 पर उल्लेख किया कि है नवाब की विधवा आफताब जहां बेगम एवं नवाब की बड़ी पुत्री आबिदा सुल्तान पाकिस्तान चली गई थी और उन्होंने भारतीय नागरिकता छोड़ दी थी.